भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 1877
गुरुवार, 30 जुलाई, 2026/8 श्रावण, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

महाराजा अग्रसेन विमानपत्तन का विकास

1877. श्री दीपेन्द्र सिंह हुड्डा:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) हिसार स्थित महाराजा अग्रसेन विमानपत्तन के चरण-I और चरण-II के विकास की वर्तमान स्थिति क्या है और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर), परियोजना की लागत, स्वीकृत, जारी और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है तथा परियोजना को पूरा करने के लिए निर्धारित समय-सीमा क्या है;

(ख) क्या सरकार का इस विमानपत्तन को एक अंतरराष्ट्रीय यात्री, कार्गो और रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) हब के रूप में विकसित करने का विचार है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में निर्धारित समय-सीमा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(घ) हिसार विमानपत्तन से उड़ान (यूडीएएन) योजना के तहत स्वीकृत और चालू किए गए मार्गों की संख्या कितनी है और परिचालन शुरू होने के बाद से कितने यात्रियों ने यात्रा की है तथा आसपास के क्षेत्र में सृजित रोजगार और आकर्षित हुए निवेशों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): हिसार हवाईअड्डे के विकास का पहला चरण (फेज-I) हरियाणा सरकार के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा निष्पादित और पूरा किया गया था।

इस परियोजना का दूसरा चरण (फेज-II) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) द्वारा हरियाणा सरकार के साथ एक सहमति ज्ञापन (एमओयू) के तहत निक्षेप कार्य के रूप में किया गया है। इस परियोजना में 560.00 करोड़ रुपये (जीएसटी को छोड़कर) की अनुमानित लागत से हिसार में एक एकीकृत विमानन केंद्र का विकास शामिल है, जिसमें यात्री टर्मिनल भवन, एटीसी टॉवर-सह-तकनीकी ब्लॉक, कार्गो भवन और अन्य संबंधित अवसंरचना का निर्माण शामिल है। कुल 262.00 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं, जिसमें से 98.82 करोड़ रुपये उपयोग किए गए हैं। परियोजना के पूरा होने की अनुमानित तारीख (पीडीसी) दिसंबर 2027 है। हालाँकि, हवाईअड्डा परियोजनाओं को पूरा करने की समय-सीमा कई कारकों यथा भूमि अधिग्रहण, अनिवार्य मंजूरियों की उपलब्धता, वित्तीय समापन आदि, पर निर्भर करती है।

(घ(: क्षेत्रीय संपर्क योजना)आरसीएस(-उड़ान के तहत हिसार हवाईअड्डे की पहचान बोली के दूसरे दौर के दौरान की गई थी। इस योजना के तहत, हिसार को देहरादून, चंडीगढ़ और धर्मशाला से जोड़ने वाले आरसीएस मार्ग कार्यशील किए गए थे। हरियाणा सहित देशभर में 120 नए गंतव्यों को जोड़ने और 4 करोड़ यात्रियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से, दिनांक 4 जुलाई, 2026 को उड़ान योजना का एक नया चरण शुरू किया गया था।

वर्ष 2025-26 में परिचालन शुरू होने के बाद से हैंडल किया गया यात्री यातायात लगभग 10,000 है।

आईसीएओ के एक अध्ययन – "ईकनामिक बेनिफिट्स ऑफ सिविल एविएशन: रिपल्स ऑफ प्रोस्पेरिटी", के अनुसार विमानन के उत्पादन और रोजगार गुणक क्रमशः 3.25 और 6.10 हैं।

******